THE DEPUTY MINISTER IN THE DEPARTMENT OF FAMILY WELFARE (SHRI KRISHNA KUMAR): (a) to (c) Government are aware of the Press Report. However, according to results obtained from studies carried out in 10 areas of Bhopal, upto 30-10-85, 366 women have aborted due to the leakage of poisonous MIC gas from the Union Carbide factory on the night of 2nd December, 1984, of these 342 are reported to have had spontaneous abortion and 24 had induced abortion.

The ICMR are engaged in monitoring the pregnant women exposed to gas in order to evaluate its potential teratogenic effects on pregnancy outcome and to monitor the growth and development (Physical and Psychological) of infants born to these mothers.

Railway's failure on energy front

1751. DR. BAPU KALDATE: Will the Minister of TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Advisory Board on Energy (ABE) has cautioned the Railway authorities for its failure on energy front;

(b) if so, what are the views of ABE exposed in its report "Towards a perspective on energy demand and supply in India in 2004-05; and

(c) what is the reaction of Government on these findings?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) The Advisory Board on Energy (ABE) have only stated that they had not been able to find out about Indian Railways' Plan to improve efficiency of energy utilisation till the publication of their report.

(b) ABE has stated that since the acquisition of diesel and electric locomotives' designs of 1950s vintage, by Indian Railways in the early 1960s, considerable improvements and innovations have taken place abroad in diesel and electric traction technology, which have resulted in fuel economy.

They have also stated that the freight wagon wheels in use, are large and heavy; the reduction in tare weight of freight wagon equipment through use of modern design and material have demonstratively led to fuel efficiency elsewhere.

(c) Indian Railways have extensive plans for improving efficiency of energy utilisation. These are expected to significantly reduce energy consumption per unit of transport by the turn of the century.

सब स्थानों के लिए अमरीकी सहायता के लिये सहकारी संस्था से प्राप्त खाद्य सामग्री

1752. श्री प्यारे लाल खंडेलवाल: क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत को अमेरिकन प्रेषण सहकारी कार्पोरेशन (केअर) से सहायता के रूप में कितना खाद्यान्न तथा खाद्य सामग्री प्राप्त हुई ;

(ख) क्या "केअर" से प्राप्त खाद्यान्नों तथा खाद्य सामग्री के वितरण के लिये कोई निर्धारित प्रक्रिया है;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या इस प्रक्रिया का ठीक प्रकार से पालन किया जा रहा है;

(ङ) क्या यह सच है कि "केअर" खाद्य-सामग्री इस शर्त पर देता है कि उसका कुछ भाग आदिवासी क्षेत्रों तथा खाद्यान्नों के अभाव वाले क्षेत्रों में मुफ्त वितरण के लिये विदेशी ईसाई मिशनों को दिया जाये;

(च) क्या सरकार ने "केअर" द्वारा लगाई गई इस शर्त को स्वीकार कर लिया है; और

(छ) यदि हां, तो उसके क्या कारण है?

युवा तथा खेलकूद और महिला कल्याण विभागों में राज्य मंत्री (श्रीमती मार्ग्रेट अल्वा): (क)

वर्ष	मात्रा (मैट्रिक टनों में)
1982-83	1,63,901
1983-84	1,77,602
1984-85	1,21,229

(ख) और (ग) प्रत्येक वर्ष जो खाद्य समग्र केंद्र से प्राप्त होती है उसका आवंटन विभिन्न सरकारों को पिछले वर्ष के दौरान उपयोगिता के आधार पर किया जाता है। केरल शनैः शनैः स्कूल बाल पोषाहार कार्यक्रम के लिए अपना खाद्य सामग्री प्रदान कर रहा है। इस तथ्य को भी राज्यवार आवंटन करते समय ध्यान में रखा जाता है।

(घ) जी, हां।

(ङ) जी, नहीं।

(च) प्रश्न नहीं उठता।

(छ) प्रश्न नहीं उठता।

भोपाल में गैस से प्रभावित रेल कर्मचारी

1753. श्री प्यारे लाल खंडेलवाल: क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दिसम्बर, 1984 में भोपाल में बड़ी संख्या में रेल कर्मचारी जहरीली गैस से प्रभावित हुए थे,

(ख) यदि हां, तो रेल विभाग तथा सरकार ने गैस से प्रभावित सभी रेल कर्मचारियों को किस प्रकार की कितनी कितनी सहायता प्रदान की है;

(ग) क्या रेल विभाग ने उन कर्मचारियों को, जिनके फेफड़े तथा आखें खराब हुई हैं, उनकी डयूटी में कोई छूट दी है; और

(घ) क्या भोपाल के रेल कर्मचारियों ने इस संबंध में कुछ समस्याएं और मांगें लिखकर प्रस्तुत की हैं, और यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है?

रेल विभाग में राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिन्धिया): (क) जी हां।

(ख) एक विवरण संलग्न है। **(नीचे देखिये)**

(ग) गैस रिसने के कारण फैले विभिन्न रोगों से प्रभावित हुए 642 रेल कर्मचारियों की 3-12-84 से 24-12-84 तक की अनुपस्थिति को विशेष नैमित्तिक छुट्टी माना गया है।

(घ) जी हां, कुछ रेल कर्मचारियों ने चिकित्सा सहायता, वित्तीय सहायता और बीमारी के दौरान उनकी अनुपस्थिति के निरूपण से संबंधित समस्याओं और मांगों के बारे में अभ्यावेदन दिया है।

विवरण

1. **चिकित्सा-सहायता:**

(1) प्रभावित रेल कर्मचारियों को, जहां अपेक्षित था, चिकित्सा प्राधिकारियों द्वारा विशिष्ट इलाज सहित निःशुल्क अपेक्षित चिकित्सा सहायता प्रदान की गयी थी।

(2) ऐसे सभी प्रभावित व्यक्तियों का रेलवे स्वास्थ्य यूनिट/भोपाल में अनुवर्ती इलाज जारी है। जिन व्यक्तियों में किसी बीमारी का लक्षण दिखायी पड़ता है, उन सभी की स्थानीय तौर पर अथवा मेडिकल कालेज में अनुवर्ती जांच भी की जाती है और आवश्यकता पड़ने पर, बीमारी की आगे जांच के लिए उन्हें बम्बई भेजा जाता है।

2. **वित्तीय सहायता:**

(1) मृत कर्मचारियों के परिवारों को राज्य सरकार की निधि से 10,000 रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से अनुग्रह राशि की सहायता दी गयी थी।

(2) गंभीर रूप से प्रभावित हुए कर्मचारियों को (जिनका 7 दिन तक या इससे अधिक दिन तक अन्तरंग रोगी के रूप में अस्पताल में इलाज किया गया था) राज्य सरकार की निधि से 2,000 रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से सहायता दी गयी थी।